'भारतीय भाषाएं : हिंदी और संस्कृति' विषय पर संगोष्ठी आयोजित

गुवाहाटी, 29 दिसंबर (पू.सं.)। आंचलिक विज्ञान केंद्र, खानपाड़ा में संस्कृति मंत्रालय एवं साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आंचलिक विज्ञान केंद्र, गुवाहाटी के सहयोग से शनिवार को 'भारतीय भाषाएं : हिंदी और संस्कृति' विषय पर एकदिवसीय राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

राजभाषा संगोष्ठी का उद्घाटन साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने विविध बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुए राजभाषा की आवश्यकता एवं संगोष्ठी के विषय की महत्ता को सभी के समक्ष रखा। इसके पश्चात प्रख्यात साहित्यकार बीएल गौड़, राजभाषा निदेशक वेद प्रकाश गौड़ ने संगोष्ठी को संबोधित किया। उद्घाटन सत्र का समापन बदरी यादव, अनुसंधान अधिकारी, पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय राजभाषा विभाग द्वारा किया गया।

इसके पश्चात दो सत्रों के साथ-साथ एक खुले सत्र का भी आयोजन किया गया। इनका संचालन सुरेश कुमार सोनी के द्वारा किया गया। प्रथम सत्र की अध्यक्षता प्रदीप के. शर्मा द्वारा की गई, जिसमें बदरी यादव एवं अलका सिन्हा ने अपने विचार रखे। वहीं प्रदीप के. शर्मा ने जोर दिया कि निज भाषा ही उन्नति का मूल है, जिससे स्वाभिमान के साथ खड़ा हुआ जा सकता है।

दूसरे सत्र की अध्यक्षता अलका सिन्हा ने की, जिसमें उमाकांत खुबलकर एवं प्रो. आरजे शर्मा ने अपने विचार रखे। इसके पश्चात वेद प्रकाश गौड़ की अध्यक्षता में खुले सत्र का आयोजन किया गया जिसमें संगोष्ठी में उपस्थित प्रतिभागियों की विविध जिज्ञासाओं पर खुलकर चर्चा की गई।

इस संगोष्ठी में साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, राजभाषा विभाग, संस्कृति मंत्रालय, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, चेन्नई, राष्ट्रीय संग्राहलय, नई दिल्ली, एनसीआरटी, नई दिल्ली, कार्यालय पुलिस उप निरीक्षक, ग्रुप केंद्र, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, अगरतला, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद उमियम, मेघालय, बंगाईगांव रिफाइनरी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, ओएनजीसी, त्रिपुरा, 33वीं वाहिनी भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, गुवाहाटी, केंद्रीय विद्यालय, बरपेटा, नेशनल इंश्योरेंस लि., ओरिएंटल इंश्योरेंस कं. लि., इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड, गुवाहाटी, बैंक ऑफ बड़ौदा, गुवाहाटी, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, गुवाहाटी, सिंडिकेट बैंक, गुवाहाटी, इंडियन ओवरसीज बैंक, गुवाहाटी, केनरा बैंक, गुवाहाटी, पॉवर ग्रिड, शिलॉंग, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, गुवाहाटी, हिंदुस्तान पेंट्रोलियम, जनगणना कार्य निदेशालय, असम, जीएसटी आयुक्तालय, गुवाहाटी, केंद्रीय भंडारण निगम, गुवाहाटी, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, गुवाहाटी, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारतीय खान ब्योरो, केंद्रीय जल बोर्ड, कोल इंडिया लिमिटेड, आंचलिक विज्ञान केंद्र इत्यादि के अधिकारीयों ने भाग लिया। संग्रहाध्यक्ष सुरेश सोनी ने विश्वास दिलाया की भविष्य में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे। इस संगोष्ठी का समापन अनुपम तिवारी के धन्यवाद भाषण के साथ किया गया।